



EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Export Promotion Council for Handicrafts

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
**EXPORT PROMOTION
COUNCIL FOR HANDICRAFTS**

EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com | www.epch.in

CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

प्रेस विज्ञप्ति

निर्यात चुनौतियों के समाधान के लिए ईपीसीएच ने कर्नाटक सरकार के साथ संबंध मज़बूत किए

ईपीसीएच अध्यक्ष ने राज्य से हस्तशिल्प निर्यात को मज़बूत करने के लिए कर्नाटक के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की

ईपीसीएच अध्यक्ष की राज्य अधिकारियों के साथ बैठक में कर्नाटक हस्तशिल्प निर्यात की बाधाओं पर चर्चा हुई

नई दिल्ली – 17 जुलाई 2025 – हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद् (ईपीसीएच) के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने आज ईपीसीएच के मुख्य संयोजक श्री अवधेश अग्रवाल; श्री के. एन. तुलसी राव, सदस्य सीओए – ईपीसीएच और श्री आर.के. वर्मा, ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक के साथ कर्नाटक सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कई उच्च स्तरीय बैठकें कीं, जिसमें राज्य से हस्तशिल्प निर्यात बढ़ाने के उद्देश्य से रणनीतिक उपायों पर चर्चा की गई, ईपीसीएच के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने बताया।

डॉ. खन्ना ने कर्नाटक सरकार अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं विकास आयुक्त श्रीमती उमा महादेवन आईएएस; कर्नाटक सरकार के कौशल विकास, उद्यमिता एवं आजीविका विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. एस. सेल्वाकुमार आईएएस और कर्नाटक सरकार, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की आयुक्त, श्रीमती गुंजन कृष्णा आईएएस से मुलाकात की। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने बताया कि चर्चा के दौरान, उन्होंने राज्य के हस्तशिल्प क्षेत्र को मज़बूत करने के अवसरों, चुनौतियों और कार्यान्वयन योग्य सुझावों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

भारत से हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार शीर्ष निकाय के रूप में, ईपीसीएच देश भर के लगभग 10,000 सदस्य निर्यातकों का प्रतिनिधित्व करता है। ईपीसीएच के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने कहा कि यह क्षेत्र भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और लाखों लोगों, विशेषकर ग्रामीण और वंचित समुदायों की महिलाओं और कारीगरों को स्थायी रोजगार प्रदान करता है।

बैठक के दौरान, ईपीसीएच के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने हस्तशिल्प क्षेत्र का अवलोकन प्रस्तुत किया और प्रमुख शिल्प समूहों में रोजगार सृजन और ग्रामीण विकास में इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस क्षेत्र के हालिया निर्यात प्रदर्शन पर भी प्रशंसा दी और निर्यातकों के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों जैसे बाजार विकास सहायता (एमडीए) योजना और हस्तशिल्प बाजारों की खोज, ई-कॉमर्स निर्यात के लिए सहायता, ई-कॉमर्स के साथ जुड़ाव, कंटेनरों की शिपिंग पर माल ढुलाई सब्सिडी, निर्यात ऋण बीमा सहायता, ब्याज दर सब्सिडी, डिजाइन विकास उपायों में सहायता और अनुपालन सहायता आदि के बारे में बताया।

अधिकारियों ने धैर्यपूर्वक सुनवाई की और उठाए गए मुद्दों पर समर्थन का आश्वासन दिया।

डॉ. खन्ना ने आगे बताया कि उन्होंने कर्नाटक सरकार को आईएचजीएफ दिल्ली मेले - ऑटम 2025 के 60वें संस्करण में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए औपचारिक निमंत्रण भी दिया है, जिसका आयोजन 13-17 अक्टूबर, 2025 को इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, दिल्ली-एनसीआर में किया जाएगा। हस्तशिल्प और उपहारों के लिए दुनिया के सबसे बड़े मेले के रूप में पहचाने जाने वाले इस आयोजन में 3,000 से अधिक प्रदर्शक भाग लेते हैं और 7,000 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय खरीदार आते हैं। राज्य के कारीगरों के लिए बाजार तक पहुँच को और बढ़ाने के लिए कर्नाटक की समृद्ध शिल्प परंपराओं को प्रदर्शित करने वाला एक समर्पित विषयगत मंडप प्रस्तावित है।

ईपीसीएच के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने कहा कि ईपीसीएच कर्नाटक सरकार के साथ एक मज़बूत और सहयोगात्मक साझेदारी की आशा करता है ताकि इसकी अनूठी हस्तशिल्प परंपराओं के विकास, प्रतिस्पर्धात्मकता और वैश्विक दृश्यता को बढ़ावा मिले।

ईपीसीएच के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने ईपीसीएच के मुख्य संयोजक श्री अवधेश अग्रवाल; श्री के. एन. तुलसी राव, सदस्य सीओए – ईपीसीएच और ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा के साथ आज बेंगलोर, मैसूर और आसपास के क्षेत्रों के प्रमुख सदस्य निर्यातकों के साथ एक संवादात्मक बैठक की, जिसकी जानकारी ईपीसीएच के मुख्य संयोजक श्री अवधेश अग्रवाल ने दी।

प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र से हस्तशिल्प निर्यात को प्रभावित करने वाली प्रमुख चुनौतियों और बाधाओं को समझने के लिए प्रमुख सदस्य निर्यातकों के साथ सार्थक चर्चा की। ईपीसीएच के मुख्य संयोजक श्री अवधेश अग्रवाल ने बताया कि डॉ. खन्ना ने निर्यातकों को उठाए गए मुद्दों के समाधान और कर्नाटक से हस्तशिल्प निर्यात के विकास को और सुगम बनाने के लिए ईपीसीएच के पूर्ण समर्थन और समय पर हस्तक्षेप का आश्वासन दिया।

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने बताया कि हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद देश भर के हस्तशिल्पों के निर्यात को बढ़ावा देने वाली एक नोडल संस्थान है और यह देश के विभिन्न शिल्प समूहों में होम, लाइफस्टाइल, टेक्स्टाइल, फर्नीचर और फैशन ज्वेलरी एवं एक्सेसरीज़ को बनाने में जुटे लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के जादुई हाथों के शिल्पों की ब्रांड इमेज बनाती है। वर्ष 2024-25 के दौरान हस्तशिल्पों का कुल निर्यात 33,123 करोड़ रुपये (3,918 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का रहा श्री आर. के. वर्मा ने बताया।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

श्री आर. के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक – ईपीसीएच

+91- 9810697868



EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Export Promotion Council for Handicrafts

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
**EXPORT PROMOTION
COUNCIL FOR HANDICRAFTS**

EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com | www.epch.in

CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

PRESS RELEASE

EPCH STRENGTHENS TIES WITH KARNATAKA GOVERNMENT TO RESOLVE EXPORT CHALLENGES

EPCH CHAIRMAN MEETS SENIOR KARNATAKA OFFICIALS TO STRENGTHEN HANDICRAFT EXPORTS FROM THE STATE

KARNATAKA HANDICRAFT EXPORT BOTTLENECKS DISCUSSED IN EPCH CHAIRMAN'S MEETING WITH STATE OFFICIALS

New Delhi – 17th July'2025 – Dr. Neeraj Khanna, Chairman, Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) alongwith Shri Avdesh Agarwal, Chief Convenor-EPCH; Shri K. N. Tulasi Rao, Member CoA – EPCH and Shri R. K. Verma, Executive Director-EPCH held a series of high-level meetings today with senior officials of the Government of Karnataka to discuss strategic measures aimed at enhancing handicraft exports from the state, said Dr. Neeraj Khanna, Chairman-EPCH.

Dr. Khanna met with Smt. Uma Mahadevan IAS, Additional Chief Secretary and Development Commissioner Govt of Karnataka; Dr. S. Selvakumar IAS, Principal Secretary to Government, Skill Development, Entrepreneurship & Livelihood Department, Govt of Karnataka and Smt. Gunjan Krishna IAS, Commissioner, Industries and Commerce Department, Govt of Karnataka. During the discussions, he presented a comprehensive representation detailing opportunities, challenges, and actionable recommendations for strengthening the state's handicrafts sector, informed Shri R. K. Verma, Executive Director-EPCH.

As the apex body responsible for promoting handicraft exports from India, EPCH represents around 10,000 member exporters across the country. The sector plays a vital role in India's economy, providing sustainable employment to millions—particularly women and artisans from rural and underprivileged communities, said Dr. Neeraj Khanna, Chairman-EPCH.

During the meeting, Dr. Neeraj Khanna, Chairman-EPCH, gave an overview of the handicrafts sector highlighting the sectors significant role in employment generation and rural development in major craft clusters. He also presented sector's recent export performance and shared key challenges faced by exporters such as Market Development Assistance (MDA) Scheme and Exploring Handicraft Markets, Assistance for E- Commerce Exports, Engagement with e-commerce, freight subsidy on shipping of containers, Export Credit Insurance Support, Interest Rate Subsidy, Assistance to Design Development Measures and Assistance to compliance and others.

The officials gave a patient hearing and assured support to the issues raised.

Dr. Khanna further informed that he has also extended a formal invitation to the Government of Karnataka to actively participate in the 60th edition of the IHGF Delhi Fair – Autumn 2025, to be held from October 13–17, 2025, at India Expo Centre & Mart, Delhi-NCR. The event, recognized as the world’s largest fair for handicrafts and gifts, features over 3,000 exhibitors and attracts more than 7,000 international buyers. A dedicated thematic pavilion showcasing Karnataka’s rich craft traditions is proposed to further expand market access for artisans from the state.

EPCH looks forward to a strong and collaborative partnership with the Government of Karnataka to boost the growth, competitiveness, and global visibility of its unique handicraft traditions, said Dr. Neeraj Khanna, Chairman-EPCH.

Dr. Neeraj Khanna, Chairman-EPCH along with Shri Avdesh Agarwal, Chief Convenor-EPCH; Shri K. N. Tulasi Rao, Member CoA – EPCH and Shri R. K. Verma, Executive Director-EPCH, also held an interactive meeting today with prominent member exporters from Bangalore, Mysuru, and nearby regions, informed by Shri Avdesh Agarwal, Chief Convenor-EPCH.

The delegation engaged in meaningful discussions with leading member exporters to understand the key challenges and bottlenecks affecting handicraft exports from the region. Dr. Khanna assured the exporters of EPCH’s full support and timely intervention to resolve the issues raised and to further facilitate the growth of handicraft exports from Karnataka, informed by Shri Avdesh Agarwal, Chief Convenor-EPCH.

Export Promotion Council for Handicrafts is a nodal agency for promotion of exports of handicrafts from the Country and create brand image of magic of the gifted hands of millions of artisans and craftspersons engaged in production of home, lifestyle, textiles, furniture and fashion jewellery & accessories products in different craft clusters of the Country. The overall Handicrafts exports during the year 2024-25 was Rs. 33,123 Crores (US \$ 3,918 Million) informed by Shri R. K. Verma, Executive Director, EPCH.

For more information please contact:

Shri. R. K. Verma, Executive Director, EPCH
+91-9810679868

Encl : Hindi, English version and photos



Photo 1 & 2: Dr. Khanna met with Smt. Uma Mahadevan IAS, Additional Chief Secretary and Development Commissioner, Govt of Karnataka; Dr. S. Selvakumar IAS, Principal Secretary to Government, Skill Development, Entrepreneurship & Livelihood Department, Govt of Karnataka and Smt. Gunjan Krishna IAS, Commissioner, Industries and Commerce Department, Govt of Karnataka. Also seen Shri Avdesh Agarwal, Chief Convenor-EPCH; Shri K. N. Tulasi Rao, Member CoA – EPCH and Shri R. K. Verma, Executive Director-EPCH.